Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
PGDVD-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

P.G. Diploma in Vaidik Darshan, (Semester: Second)

Philosophy

संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "सृष्टि चक्र में निष्कामता दिखाकर निष्काम कर्म और यज्ञ की समानता गीता के तृतीय अध्याय में बतायी है" – इस कथन की प्रमाणपूर्वक पुष्टि करें।
2. गीता के तृतीय अध्याय में स्वधर्म पर अविचल रहते हुए उसका पालन करने की पुष्टि की गई है। इस प्रसङ्ग को प्रमाण पूर्वक समझाएं।
3. गीता के पुरुषोत्तम योग को सप्रमाण विस्तार से समझाइये।
4. नारद – सनत्कुमार प्रसंग को लगभग 800 से 1000 शब्दों में समझाइये।
5. बृहदारण्यक – उपनिषद् में प्राण व प्राणायाम की उत्कृष्टता का वर्णन करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. न बुद्धिभेदं जनयेदज्ञानां कर्मसङ्गिनाम्।
   जोषयेत्सर्वकर्माणि, विद्वान्युक्तः समाचरन्।।
   – इस श्लोक का शब्दार्थ एवं भावार्थ अपने शब्दों में लिखें।
2. गीता का प्रमाण देकर प्रमाणित करें कि व्यक्ति क्षण भर भी कर्म किये बगैर नहीं रह सकता है।
3. गीता के 15वें अध्याय के आधार पर प्रमाणित करें कि गीता – अद्वैतवाद, द्वैतवाद अथवा त्रैतवाद में–से किसको मानती है ?
4. जाबाल सत्यकाम का कथानक हमें क्या शिक्षा दे रहा है ?
5. छान्दोग्य उपनिषद् में अश्वपति अपनी राज्यव्यवस्था की व अनुशासन व्यवस्था की व्याख्या किस प्रकार करते हैं? प्रमाण देकर बतायें।
6. श्वेताश्वतर उपनिषद् के अनुसार योग में प्रवृत्त योगी के लक्षण कौन–कौन से हैं ?

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. "नारद – सनत्कुमार" संवाद में कितने खण्ड हैं ?
2. श्वेताश्वतर उपनिषद् में जीव को किस परिमाण वाला माना गया है ?
3. 'यस्तं न वेद किमृचा करिष्यति' यह किस उपनिषद् का वाक्य है ?
4. भूमा क्या है ?
5. गीता के तृतीय अध्याय में कितने श्लोक हैं ?

----------x----------